



प्रिय

डाक विभाग को भुगतान बैंक की स्थापना हेतु भारत सरकार द्वारा अनुमोदन प्रदान किए जाने के अवसर पर मैं आप सभी को बधाई देता हूँ।

भारतीय डाक बैंक की स्थापना मुख्यतः हमारे देश के लोगों के पूर्ण वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए की जा रही है। भारतीय डाक भुगतान बैंक प्रौद्योगिकी समर्थित बैंकिंग प्लेटफॉर्म होगा जो प्रत्यक्ष लाभांतरण, सभी प्रकार के भुगतान और धन प्रेषण संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराएगा तथा विशेषकर तृतीय पक्ष के विविध उत्पादों की बिक्री करेगा। इन विविध सेवाओं की शुरुआत होने से, मुझे पूरा यकीन है कि भारतीय डाक भुगतान बैंक एक नई क्रांति लेकर आएगा।

भारतीय डाक भुगतान बैंक की स्थापना 800 करोड़ रु. के निवेश के साथ की जाएगी। सभी प्रमुख जिला मुख्यालयों में 650 शाखाएं खोलने की योजना है ताकि डाक विभाग की व्यापक पहुंच का लाभ उठाया जा सके।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने आग्रह किया है कि ये 650 शाखाएं सितम्बर, 2017 तक पूरी तरह से कार्य करना प्रारंभ कर दें। मुझे इसमें जरा भी सन्देह नहीं है कि आपकी क्षमताओं और पूर्ण सहयोगके बल पर हम इस कार्य को निश्चित रूप से सम्पन्न कर सकते हैं। भारतीय डाक की पहुंच देश के कोने-कोने में है। डाकिए भारत के लोगों के साथ दिल से जुड़े हैं। गांवों में तो डाकियों को परिवार का ही सदस्य माना जाता है। आने वाले दिनों में, प्रत्येक भारतीय के लिए वित्तीय समावेशन को संभव बनाने के लिए, भुगतान बैंक के सफल रोल आउट में ग्रामीण डाक सेवकों सहित सभी कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

मैं विभाग के सभी कर्मचारियों और ग्रामीण डाक सेवकों से पुरजोर अपील करता हूँ कि वे भारतीय डाक भुगतान बैंक की स्थापना पर गर्व महसूस करें, जो अंत्योदय के सपने को साकार करेगा तथा कतार के अंत में खड़ा व्यक्ति भी इससे लाभान्वित होगा।

जय हिन्द !

(रविशंकर प्रसाद)